सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 101 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 15 मई, 2024
मूल्य ₹ 3/-

जिंदगी बढ़िया हो सकती है अगर लोग आपको अकेला छोड़ दें।
-चार्ली चैपलिन

सेवा और श्रद्धा से कोई काम... 7 | बिहार से लेकर आंध्र तक विरासत... 3 | अब पूरे पूर्वांचल व बुंदेलखंड को... 2

खरगे-अखिलेश गरजे : 4 जून को बीजेपी सरकार की विदाई तय

» बनने जा रही इंडिया गठबंधन की नई सरकार : खरगे

» नेताओं का वादा- सभी गारंटी पूरी करेंगे, देंगे 10 किलो राशन

» भाजपा को जितना चढ़ना था चढ़ चुकी अब लुढ़केगी : अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फोटो: सुमित कुमार

लखनऊ। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को संयुक्त रूप से यूपी की राजधानी लखनऊ में प्रेसवार्ता की। दोनों नेताओं ने इस वार्ता के दौरान जहां बीजेपी व मोदी सरकार पर जमकर हमला बोला तो वहीं आगामी लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत का दावा करते हुए कहा कि सरकार आई तो हम लोगों से की गई सभी गारंटी पूरी करेंगे। खाद्य सुरक्षा कानून हम लाये।

सपा-कांग्रेस की संयुक्त वार्ता में साझा किए गये विचार

हम 10 किलो राशन देंगे। हमने कर्नाटक, तेलंगाना में गारंटी लागू की है और जब हम सत्ता में आएंगे तो ऐसा करेंगे। खरगे ने आश्वासन दिया कि 4 जून को इंडिया ब्लॉक भारत में सरकार बनाएगा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि चुनाव के चार चरण पूरे हो चुके हैं, इंडिया ब्लॉक मजबूत स्थिति में है और लोगों ने पीएम मोदी को जाने देने का फैसला किया है। 4 जून को इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगा। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए यह चुनाव महत्वपूर्ण है।

जनता 140 सीट के लिए भी तरसा देगी : अखिलेश

लोकसभा चुनाव के पाँचवें चरण से पहले समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर जोरदार हमला किया है। लखनऊ में इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेसवार्ता में सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये देश को बचाने की लड़ाई है। अब नकारात्मक राजनीति का समय खत्म हो रहा है। उन्होंने दावा किया 4 जून को भाजपा की सरकार जा रही है और इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी। अखिलेश यादव ने कहा कि चौथे चरण के चुनाव के बाद बीजेपी का झूठ जितना पहाड़ चढ़ना था वो चढ़ चुका है और अब वो चोटी से लुढ़कना शुरू हो गया है। उनका काउंट डाउन के साथ-साथ माउंटेन डाउन भी शुरू हो गया है। 4 जून को फ्रीडम ऑफ प्रेस का दिन होगा। बीजेपी अपने ही नकारात्मक नैरेटिव में उलझ गई है। दस साल दिल्ली की और सात साल यूपी की सरकार में उनकी हर बात झूठी निकली।

विपक्षी दल के नेताओं को नामांकन से रोका जा रहा : खरगे

हम सभी को देश के भविष्य, लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए अन्यथा हम फिर से गुलाम बन जायेंगे। अगर वहां लोकतंत्र नहीं बल्कि निरंकुशता और तानाशाही होगी तो आप अपनी विचारधारा वाले को कैसे चुनेंगे? जहां भी बीजेपी का कोई बड़ा नेता चुनाव लड़ रहा है, वहां विपक्षी दल के नेताओं को नामांकन दाखिल करने से रोका जा रहा है। मैंने हैदराबाद में देखा कि बीजेपी की एक महिला उम्मीदवार बुर्का उतारकर महिलाओं की पहचान की जांच कर रही थी। क्या इसी तरह स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराए जाते हैं? आज देश में दो विचारधाराओं की लड़ाई है। एक तरफ, गरीबों के पक्ष में लड़ने वाली पार्टियां हैं। दूसरी तरफ, अमीरों के पक्ष में खड़े होने वाले लोग हैं।

कांग्रेस ने देश को बहुत कुछ दिया

उन्होंने कहा, हमने (कांग्रेस) देश को बहुत कुछ दिया है। महात्मा गांधी ने आजादी दिलाई, जवाहर लाल नेहरू ने लोकतंत्र की बुनियाद डाली, डॉ. बाबा साहब अंबेडकर ने संविधान लिखा... ये लोग (भाजपा) इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं हम ये नहीं कहते कि हमारे पास इसे साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। पहली बार आरएसएस के नेता मोहन भागवत ने कहा था कि अगर हम आएंगे तो हम संविधान में बदलाव लाएंगे..... उत्तर प्रदेश में तो भाजपा नेता संविधान बदलने की बातें करते ही रहते हैं और मुझे हैरानी होती है कि पीएम मोदी इस पर चुप बैठे रहते हैं... ये देश, संविधान और लोकतंत्र को बचाने का विषय है।

बुंदेलखंड में भाजपा खंड-खंड होगी

अखिलेश यादव ने कहा, बुंदेलखंड के लोग भाजपा को खंड खंड कर देंगे। वहां पर भाजपा का खाता खुलने वाला नहीं है। इंडिया गठबंधन यूपी में 79 सीट जीत रहा है और बस वयोटो (वाराणसी) में लड़ाई में है। जो नौजवान देख रहा है कि उसकी हर परीक्षा लीक हुई। ये सरकार नौकरी नहीं देना चाहती, जिससे उनका भविष्य खराब हो रहा है। किसान, नौजवान, व्यापारी हर वर्ग के लोग इन्हें सुन-सुनकर थक गए हैं। इसलिए परिवर्तन होना तय है। सपा नेता ने कहा कि आज लोकतंत्र को खतरा है। ये लोकतंत्र के पीछे तो पड़े ही हमारी और आपकी जान के भी पीछे पड़े हैं। जो वैक्सीन हमारे शरीर में चली गई बताइए उसे ये कैसे वापस लेंगे। हर संस्था को इन्होंने ख़त्म कर दिया है।

अब्बास अंसारी को 'सुप्रीम' इजाजत

» पिता मुख्तार की प्रार्थना सभा में हो सकेंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी को अपने दिवंगत पिता के लिए होने वाले प्रार्थना कार्यक्रम में शामिल होने की अनुमति दे दी। 10 से 12 जून तक अब्बास को कासगंज जेल से लाकर गाजीपुर जेल में रखा जाएगा। जेल से उसे तीन दिन तक पुलिस हिरासत में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक अपने घर जाने दिया जाएगा। फिर 13 जून को उसे वापस कासगंज जेल लाया जाएगा। कोर्ट ने कहा कि जेल से बाहर रहने के दौरान अब्बास न कोई भाषण देगा और न मीडिया से बात करेगा।

दरअसल इस साल ही 28 मार्च को दिल के दौरे से जान गंवाने वाले मुख्तार अंसारी को गाजीपुर के मोहम्मदाबाद में दफन किया गया था। कई संगीन आपराधिक मुकदमों में आरोपी अब्बास कासगंज जेल में बंद है। उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में बंद माफिया मुख्तार अंसारी की की तबीयत खराब होने पर जेल प्रशासन उन्हें रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले आया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही थी ।

न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को मिली राहत

» शीर्ष कोर्ट ने रिमांड और गिरफ्तारी को अवैध माना

» ट्रायल कोर्ट के समक्ष जमानत बांड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। यूएपीए मामले में न्यूजक्लिक के संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को आज सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। वकील अर्शदीप खुराना ने कहा कि कोर्ट ने उन्हें रिहा करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी और रिमांड की कार्यवाही को अवैध माना है और पुरकायस्थ की रिहाई का निर्देश दिया है।

ट्रायल कोर्ट के समक्ष जमानत बांड प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। अर्शदीप खुराना ने कहा कि हम शुरुआत से कहते आए हैं कि उनके खिलाफ पूरी कार्यवाही अवैध थी और गिरफ्तारी का तरीका भी अवैध था। यह आदेश जस्टिस बी आर गवई और संदीप मेहता की पीठ ने जारी किया।

सवालों के घेरे में आई थी दिल्ली पुलिस

सुप्रीम कोर्ट ने 30 अप्रैल को पोर्टल न्यूजक्लिक के संपादक प्रबीर पुरकायस्थ को गिरफ्तारी के बाद उनके वकील को सूचित किए बिना मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने में जल्दबाजी के लिए दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए थे। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने इस तथ्य पर भी हैरानी जताई कि पुरकायस्थ के वकील को रिमांड आवेदन दिए जाने से पहले ही रिमांड आदेश पारित कर दिया गया था।

अब पूरे पूर्वांचल व बुंदेलखंड को मथेगा इंडिया गठबंधन

अखिलेश करेंगे रोड शो, बीजेपी को घेरने की रणनीति बनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चौथे चरण की समाप्ति के बाद अब यूपी में पांचवे चरण के लिए पार्टियों ने कमर कसना शुरू कर दिया है। कांग्रेस व इंडिया गठबंधन अब पूर्वांचल व बुंदलेखंड में अपनी रैलियां करेगा और साथ ही बीजेपी सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 15 मई को बलरामपुर के गैसड़ी विधानसभा क्षेत्र और फैजाबाद में समाजवादी (इंडिया गठबंधन) के प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

बलरामपुर में दोपहर 12: 30 बजे और फैजाबाद में दो बजे रहेंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव 17 मई को लखनऊ में रोड शो करेंगे। इस आयोजन को सफल बनाने और चुनावी रणनीति तैयार करने के लिए सपा अध्यक्ष ने मंगलवार को अपने पदाधिकारियों की बैठक भी ली। बैठक में लखनऊ के सपा प्रत्याशी रविदास मेहरोत्रा भी मौजूद रहे। मतदाताओं को बूथ तक पहुंचाने के लिए रणनीति भी बनाई गई। इसके लिए सभी पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा और प्रवक्ता अनुराग भदौरिया समेत सभी प्रमुख नेता मौजूद रहे।

केजरीवाल कल लखनऊ में अखिलेश से मिलेंगे

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल 16 मई को लखनऊ में होंगे। वे यहां सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात करेंगे। दोनों की साझा प्रेस कांफ्रेंस भी होगी।

दिग्विजय झांसी और प्रयागराज में करेंगे सभा

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ललितपुर के मेहरौनी में झांसी लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी प्रदीप जैन आदित्य के समर्थन में सभा करेंगे। वहीं रात 8.30 बजे मऊरानीपुर झांसी में भी सभा करेंगे। इसी क्रम में दिग्विजय सिंह 16 मई को सुबह 11 बजे प्रयागराज में कांग्रेस प्रत्याशी उज्ज्वल रमण सिंह के समर्थन में प्रेसवार्ता करेंगे। बाद में दोपहर एक बजे कटरा में सभा को भी संबोधित करेंगे। जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण कुमार यादव झांसी में प्रेसवार्ता करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ. सीपी राय ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय 16 मई को सुबह 11 बजे श्रावस्ती में समन्वय बैठक करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे गोंडा में कैसरगंज व गोंडा लोकसभा क्षेत्र में समन्वय बैठक में शामिल होंगे।

भाजपा घटिया, झूठी और भ्रष्ट पार्टी : शिवपाल

» खरगे ने कहा- यूपी में गठबंधन 60-70 सीटें जीतेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। लोकसभा चुनाव की रणभेरी बजने के बाद बांसगांव लोकसभा क्षेत्र के कौड़ीराम में आइएनडीआइ गठबंधन की पहली बड़ी सभा में मोदी और योगी सरकार निशाने पर रही। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर धर्म के नाम पर अमीर को लूटने और गरीब को बर्बाद करने आरोप लगाकर हुंकार भरी तो वहीं सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भाजपा बहुत घटिया, झूठी और भ्रष्ट पार्टी है।

खरगे बोले, यूपी में गठबंधन 60-70 सीटें जीतेगा। आने वाले चरणों में भी गठबंधन को ज्यादा वोट मिलने की सूचना है। फिर भाजपा को घेरते हुए बोले, मोदी फिर मनु का समय ले आना चाहते हैं। गरीब और महिलाओं का अधिकारी छीनना चाहते हैं। अधिनायक बन हुकुमशाही चलाना चाहते हैं। हर सामान की कीमत बढ़ने पर मोदी-योगी बात नहीं करते हैं। जब मैं मोदी को झूठों का सरदार बोलता हूं तो लोग कहते हैं कि प्रधानमंत्री को ऐसा नहीं बोलना चाहिए, लेकिन जब वह एक काम भी अच्छा नहीं कर रहे हैं और झूठ पर झूठ बोले जा रहे हैं तो मैं और क्या बोलूं। चार सौ पार के नारा पर भाजपा की चुटकी लेते हुए कहा कि कोई कहता है चार सौ पार तो कोई पांच सौ पार की बात करता है। शुक्र मनाइए कि छह सौ पार नहीं बोल रहे हैं। दरअसल, चार सौ पार कहकर यह दो तिहाई बहुमत चाहते हैं ताकि संविधान को बदल सकें। हम संविधान बचाने के लिए लड़ेंगे-मरेंगे।

पीएम की भाषा में केवल 'जहर' है : जयराम

» उनके हाव-भाव बता रहे वह घबरा गए हैं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भुवनेश्वर । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में कोई 'लहर' नहीं है, बल्कि उनकी में केवल 'जहर' है। कांग्रेस महासचिव रमेश ने कहा कि 'निवर्तमान' प्रधानमंत्री की संकेत दे रही है कि वह 'चिंतित और भ्रमित' हैं। ''उनको (प्रधानमंत्री को) अहसास हो गया है कि किसान, मजदूर, महिला और अन्य पिछड़ा वर्ग उनसे निराश हैं। इसलिए वह हिंदू-मुस्लिम, मुस्लिम लीग, कांग्रेस को टेम्पो में भरकर दिया गया कालाधन और 'मंगलसूत्र' की बात करने लगे हैं।''

रमेश ने दावा किया, ''प्रधानमंत्री के पक्ष में जमीन पर कोई 'लहर'नहीं है बल्कि उनकी में केवल 'जहर' है। इससे पता चलता कि बदलाव का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार चरण में 379 लोकसभा सीट के लिए चुनाव हो चुका है और यह स्पष्ट हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) दक्षिण में 'साफ' हो गई है और उत्तर, पश्चिम और पूर्वी भारत में 'हाफ' है।' कांग्रेस महासचिव ने दावा किया कि इस चुनाव में विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को बहुमत मिलेगा।

नवीन पटनायक पर भी साधा निशाना

उन्होंने कहा कि बीजद सांसदों ने 'किसान विरोधी, आदिवासी विरोधी और पर्यावरण विरोधी' विधेयकों का संसद के दोनों सदनों में समर्थन किया और यहां तक ओडिशा की सत्तारूढ़ पार्टी ने भाजपा प्रत्याशी अश्विनी वैष्णव को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित होने में भी मदद की। रमेश ने मुख्यमंत्री नवीन पटनायक पर निशाना साधते हुए कहा, ''क्या आपने दिल्ली में भाजपा का शत प्रतिशत समर्थन नहीं किया? क्या यह सच नहीं है कि बीजद ने वन अधिकार अधिनियम को कमजोर करने वाले विधेयक, वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन, भूमि अधिग्रहण अधिनियम और श्रम संहिता का समर्थन किया था?

सत्ता में नहीं लौटेंगे मोदी यही है एकमात्र गारंटी : ममता

नादिया के कल्याणी में एक रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि गारंटी बाबू (मोदी की गारंटी पर कटाक्ष) पश्चिम बंगाल को बदनाम कर रहे हैं। अब, जब सच्चाई सामने आ रही है (कथित वीडियो का जिक्र है), तो वे टीवी चैनलों से उन्हें न दिखाने के लिए कह रहे हैं। वे सच्चाई को छुपाने की कोशिश कर रहे हैं। भाजपा ने राज्य की महिलाओं की छवि खराब करने की साजिश रची। बंगाल के बैरकपुर में अपनी चुनावी रैली के दौरान, प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस संदेशखली में अपने पिछले कुकर्मों को छिपाने की कोशिश कर रही है, जहां सत्तारूढ़ दल के नेताओं पर यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने का आरोप लगाया गया है।

बसपा के बगैर नहीं बन पाएगी केंद्र में सरकार : मायावती

» बुंदेलखंड राज्य बनाने का समर्थन किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। बसपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने लोकसभा चुनावों में बसपा को प्रदेश में तीसरा मोर्चा बनाने की कोशिश करते हुए सत्तापक्ष व विपक्षी गठबंधन पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस बार बसपा के बगैर केंद्र में किसी की सरकार नहीं बन पाएगी। मायावती ने अपने पुराने गढ़ में वापसी की राह बनाते हुए एक बार फिर बुंदेलखंड राज्य बनाने का समर्थन किया।

जालौन और झांसी लोकसभा क्षेत्र के बसपा प्रत्याशियों के समर्थन में संयुक्त चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मायावती ने कहा कि केंद्र की सत्ता में भाजपा इस बार आसानी से नहीं आ पाएगी। गरीबों व मध्यम वर्गीय लोगों के लिए सरकार ने कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि बसपा को केंद्र में आने से रोकने के लिए सभी दल मिल चुके हैं। केंद्र सरकार द्वारा दिए जा रहे राशन पर उन्होंने कहा कि राशन आरएसएस और भाजपा का नहीं है। बसपा अध्यक्ष ने अलग बुंदेलखंड राज्य का समर्थन करते हुए कहा कि सरकार वादा कर रही है, लेकिन बुंदेलखंड को अलग राज्य का दर्जा दिलाने के लिए बहुजन समाज पार्टी आज भी कटिबद्ध है।

महा विकास आघाड़ी लोस चुनाव में अधिकतम सीट जीतेगा : आदित्य

» बोले- इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में योगदान देंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे ने दावा किया कि महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में अधिकतम सीट जीतेगा। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र देश के उन शीर्ष पांच राज्यों में शामिल होगा जो केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने में योगदान देंगे।

ठाकरे ने यह भी दावा किया कि शिवसेना में विभाजन के बाद, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट ने उनकी पार्टी को संदेश भेजा था कि उन्हें गद्दार के रूप में संबोधित न किया जाए। ठाकरे ने कहा, ''लेकिन, फिर गद्दार गद्दार ही होता है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन पर पूछे गए सवाल को ठाकरे टाल गए और दावा किया कि उन्होंने कभी किसी के खिलाफ व्यक्तिगत हमले नहीं किए। उन्होंने कहा, हमने कभी भी भाजपा को बिना शर्त समर्थन नहीं दिया। हमारी एक ही शर्त थी कि वह किसी भी कीमत पर महाराष्ट्र के स्वाभिमान की रक्षा करेंगे। मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को तीसरे कार्यकाल के लिए उन्हें बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की है।

बिहार से लेकर आंध्र तक विरासत बचाने की गुहार

जगन मोहन और चिराग पर सबकी नजर

लोजपा व वाईएसआरसीपी को अपना जनाधार बढ़ाने की चुनौती

» राजग व इंडिया गठबंधन में दोनों राज्यों में हैं टक्कर

» चिराग की प्रतिष्ठा दावं पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चौथे चरण के मतदान संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश कई दिग्गज नेताओं की किसमत का फैसला इंवीएम में बंद हो चुका है। इसमें दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में जगन मोहन रेड्डी व बिहार में चिराग पासवान पर भी सबकी निगाहे है। ये दानों नेता क्षेत्रीय दलों के बड़े चेहरे हैं। दोनों एक राजनैतिक विरासत के वारिस हैं। इसमे चिराग पासवान बड़े नेता राम विलास पासवान के पुत्र हैं जबकि जगन मोहन रेडड्ड आंध्रा दिग्गज कांग्रेस नेता वाईएसआर राजशेखर रेड्डी के बेटें हैं। दोनों नेता इस अपनी शाख को और मजबूत करने के लिए मैदान में हैं। जहां चिराग बीजेपी व मोदी के साथ हैं जबकि जगन मोहन अकेले ही सबसे टक्कर ले रहे हैं।

आने वाले चुनावी परिणा ही बताएंगे की किसकों जनता ने कितना मजबू किया है। केला के लिए प्रसिद्ध बिहार के हाजीपुर संसदीय क्षेत्र दुनिया को लोकतंत्र का पाठ बढ़ाने वाले वैशाली जिले का ही हिस्सा है। गंगा और गंडक नदियों के संगम वाला यह क्षेत्र शुरू से ही समाजवादियों के प्रभाव वाला क्षेत्र माना गया है। इस कारण यहां का चुनाव कई मुद्दे पर लड़े जाते रहे हैं। इस चुनाव में ना केवल इस संसदीय क्षेत्र पर पूरे देश की नजर है, बल्कि कहा जा रहा है कि हाजीपुर लोकसभा सीट का परिणाम स्वर्गीय रामविलास पासवान के कर्मस्थली और उनकी सियासी विरासत को भी तय करेगा। इस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत एनडीए ने यहां से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान को चुनाव मैदान में उतारा है, वहीं विपक्षी दल के महागठबंधन ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता शिवचंद्र राम को प्रत्याशी बनाया है। बड़ी बात ये है कि चिराग की फाइट यानि शिवचंद्र राम से है और उन्हें सहारा भी एस का ही है। वहीं जगन मोहन के पिता राजशेखर रेड्डी कांग्रेस के दिग्गज नेता थे। कहा जाता है साल 2004 और 2009 में उन्होंने ही कांग्रेस को आंध्र प्रदेश में जीत दिलाई थी। किंतु 2009 में उनके निधन के बाद जगन मोहन की कांग्रेस में दाल नहीं गली। तो उन्होंने मार्च 2011 में वाइएसआर कांग्रेस नाम से अपनी नई पार्टी बना ली।

इस क्षेत्र में मुख्य मुकाबला दोनों गठबंधन के बीच ही माना जा हा है। 19.53 लाख से ज्यादा मतदाताओं वाले हाजीपुर संसदीय क्षेत्र में हाजीपुर, लालगंज, महुआ, राजापाकर, राघोपुर तथा महनार विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। हाजीपुर संसदीय क्षेत्र 1952 में सारण सह चंपारण संसदीय क्षेत्र का हिस्सा था। वर्ष 1957 में यह क्षेत्र अस्तित्व में आया। 1957 से 1971 तक यह क्षेत्र केसरिया संसदीय क्षेत्र के नाम से जाना जाता था। पिछले चुनाव में यहां से रामविलास पासवान के भाई पशुपति कुमार पारस विजयी हुए थे। रामविलास ने यहां से रिकॉर्ड वोटों से जीतकर गिनीज बुक में नाम दर्ज कराया था। यहां की सियासत चार दशक तक रामविलास पासवान के इर्द गिर्द घूमती रही है। पिछले चुनाव से इस बार परिस्थितियां बदली नजर आ रही हैं। पिछले चुनाव से अलग इस चुनाव में रामविलास की इस कर्मभूमि से उनके पुत्र चिराग पासवान चुनावी मैदान में उतरे हैं। इस चुनाव में जहां पासवान को जाति के आधार पर वोट, भाजपा और जदयू के कैडर वोट और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर भरोसा है, वहीं राजद के प्रत्याशी को अपने सामाजिक समीकरण से चुनावी वैतरणी पार करने का विश्वास है।

जगन ने सबको चौंकाया था

अपने पहले ही विधानसभा चुनाव में जगन मोहन के प्रदर्शन ने सभी को चौंका दिया वाइएसआर कांग्रेस पार्टी ने 27.88 फीसदी वोटों के साथ विधानसभा की 70 सीटें जीत ली। लोकसभा चुनाव में भी 9 सीटों पर जीत हासिल की. जगन मोहन के सामने उनके सारे विरोधी फीके पड़ गए. इसके बाद अगले चुनाव में तो सत्ता भी हासिल कर ली।

सवर्ण की भी पसंद हैं चिराग

माना जाता है कि दोनों गठबंधन में शामिल दलों को अपने वोट बैंक और कैडर वोटों को अंतिम समय तक सहज कर रखना चुनौती है। हालांकि राजद प्रत्याशी शिवचंद्र राम के लिए राजद ने पूरा जोर लगाया है। बहरहाल, चिराग पासवान को सवर्ण यानि जहां सवर्ण जातियों के साथ-साथ मोदी और नीतीश के नाम और भाजपा के कैडर वोटों का सहारा है, वहीं शिवचंद्र राम को अपने वोट बैंक पर भरोसा है। अब इनके भरोसा पर मतदाता कितने खरा उतरते हैं, यह तो चार जून को चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा। हाजीपुर में पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है।

राजद दे रहा कड़ी टक्कर

मतदाताओं को अपनी ओर आकर्षित करने में दोनों गठबंधनों के नेता भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। रामविलास के निधन के बाद लोजपा दो गुटों में बंट गई। चिराग और उनके चाचा पारस में मतभेद हो गया। दोनों अलग अलग पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। इस सीट पर दोनों ने दावेदारी की, लेकिन अंत में यह सीट चिराग के हाथ आ गई। हालांकि उनके चाचा पारस की पार्टी राष्ट्रीय लोजपा भी एनडीए के साथ है। पिछले चुनाव में चिराग जमुई से सांसद चुने गए थे। जातीय आधार पर इस क्षेत्र में यादव, राजपूत, भूमिहार, कुशवाहा और पासवान की संख्या अधिक है। अति पिछड़ा वर्ग के मतदाता भी चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की ताकत रखते हैं।

जगन रेड्डी को चुनौती देंगी बहन शर्मिला

आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी शर्मिला अपने ही भाई जगन मोहन के खिलाफ चुनाव लड़ रही हैं। साल 2021 में शर्मिला ने अपनी अलग पार्टी YSR तेलंगाना पार्टी का गठन किया था। लेकिन इसी साल जनवरी 2024 में उन्होंने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया। इसके बाद उन्हें आंध्र

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भी बनाया गया। कांग्रेस ने उन्हें कडापा सीट से लोकसभा उम्मीदवार बनाया है। यहां रेड्डी वोटर निर्णायक भूमिका में हैं। यहां उनके चचेरे भाई अविनाश रेड्डी मौजूदा सांसद हैं और एक बार फिर वाईएसआरसीपी ने उन पर भरोसा जताया है। अविनाश पर जगन मोहन रेड्डी का पूरा समर्थन है। ऐसे में शर्मिला अपने दो भाइयों के खिलाफ चुनावी मैदान में है।

कभी कांग्रेस का गढ़ हुआ करता था आंध्र प्रदेश

संयुक्त आंध्र प्रदेश में कांग्रेस पार्टी राज्य में सबसे मजबूत राजनीतिक पार्टियों में से एक थी। करीब छह दशक तक यहां कांग्रेस पार्टी का दबदबा रहा था. साल 2009 तक 12 विधानसभा चुनाव में से 8 बार कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत से सत्ता हासिल की। मगर 2014 में आंध्र प्रदेश से तेलंगाना अलग राज्य बनने के बाद कांग्रेस का वर्चस्व लगभग खत्म हो गया। पहले 2014 चुनाव में वोट प्रतिशत 11.71 रहा और फिर 2019 में सिमटकर 1.17प्रतिशज रह गया।

रामविलास की विरासत का फायदा मिल सकता है

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हाजीपुर में चिराग के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए रामविलास पासवान को याद किया। उन्होंने रामविलास पासवान को सामाजिक न्याय का सच्चा साधक बताया और कहा कि रामविलास जी की आत्मा को चिराग के सिर्फ जीतने भर से शांति नहीं मिलेगी, उनकी आत्मा को शांति तब मिलेगी जब उन्हें रामविलास पासवान से ज्यादा वोट मिलेंगे।

बीजेपी-टीडीपी की बढ़ रही ताकत

2019 चुनाव में वाईएसआर कांग्रेस की आंधी ने सभी पार्टियों का सफाया कर दिया था। लेकिन इस बार माना जा रहा है बीजेपी-टीडीपी गठबंधन जगन रेड्डी को तगड़ी टक्कर दे सकता है क्योंकि टीडीपी का साथ मिलने से एनडीए में जान आ गई है। इससे पहले 2014 में जब बीजेपी-टीडीपी मिलकर लड़े थे तो दोनों ही दलों को सीटों का फायदा मिला था। 2018 में आंध्र प्रदेश को विशेष राज्य का दर्जा नहीं मिलने के चलते टीडीपी ने बीजेपी से रिश्ता तोड़ दिया था. लेकिन 2019 चुनाव में इसकी दोनों को क्षति हुई थी। टीडीपी 16 सीट से गिरकर तीन सीट पर सिमट गई और बीजेपी खाता भी नहीं खोल सकी।

वाईएसआरसीपी का अभी राज्य में दबदबा

वोट परसेंटेज के हिसाब से बात करें तो पिछले लोकसभा चुनाव में वाईएसआरपी ने सबसे ज्यादा 49.89 फीसदी वोट हासिल किए थे। इसके बाद दूसरे नंबर पर 40.19 फीसदी वोट शेयर के साथ तेलुगु देशम पार्टी रही थी। हालांकि इसके बाद भी पार्टी महज तीन सीट ही जीत सकी थी। इसके अलावा जन सेना पार्टी को 5.87 फीसदी वोट मिला? वहीं कांग्रेस और बीजेपी का वोट प्रतिशत बहुत कम क्रमशः 1.31प्रतिशत और 0.98प्रतिशत रहा था। 2019 विधानसभा चुनाव में भी सभी पार्टियों का वोट प्रतिशत लगभग इतना ही रहा था। बीजेपी-कांग्रेस दोनों पार्टियों इस चुनाव में खाता खोलने में असफल रही थीं। वाईएसआरसीपी और टीडीपी के अलावा जेएसपी ने मात्र 1 सीट सीटी थी।

आंध्र में किसका पलड़ा रहेगा भारी

आंध्र प्रदेश उन चार राज्यों में से एक है जहां लोकसभा और विधानसभा चुनाव के लिए वोटिंग एक साथ हुई। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) और विपक्षी तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के बीच वर्चस्व की लड़ाई है। भारतीय जनता पार्टी यहां तीन बार मुख्यमंत्री रहे चंद्रबाबू नायडु की पार्टी टीडीपी और जन सेवा से साथ मिलकर चुनावी मैदान में है। जन सेना पार्टी का नेतृत्व अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण कर रहे हैं। वहीं जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी अकेले चुनाव लड़ रही है जो पिछले 5 सालों से सत्ता पर काबिज है। कांग्रेस के साथ सीपीआई और सीपीआई(एम) गठबंधन में शामिल है। 2019 आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनाव में जगन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी ने 175 में से 151 सीटें जीतकर बड़ी जीत हासिल की थी। 2019 आम चुनाव में भी राज्य की 25 लोकसभा सीटों में से 22 जीती थी।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

लोकतंत्र के लिए सत्ता पक्ष व विपक्ष में संतुलन जरूरी

चार चरण के मतदान हो चुके हैं। सत्ता पक्ष व विपक्ष में अपनी-अपनी जीत के दावें किए जा रहें हैं। चुनाव परिणाम किसके विश्वास की कसौटी पर कितने खरे उतरते हैं, ये तो 4 जून को पता चलेगा। उधर अपनी ताकत पर लोकसभा की तीन सौ सीट भाजपा को मिलती है या नहीं, यह आने वाला कल ही बतायेगा। लेकिन इस संदर्भ में इस बात पर गौर किया जाना जरूरी है कि जनतंत्र की सफलता और सार्थकता एक मजबूत विपक्ष पर ही निर्भर करती है। दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमज़ोर दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी। विपक्ष का काम सरकार के कामकाज पर नजर रखने का होता है। संसद में भारी-भरकम बहुमत वाली सरकार के निरंकुश बनने के खतरे बढ़ जाते हैं और विपक्ष का बहुत कमजोर होना भी जनतंत्र की सफलता के लिए खतरा ही होता है।

सरकार की निरंतर चौकसी ही जनतंत्र की सफलता की गारंटी होती है। यह चौकीदारी प्रभावशाली ढंग से हो सके, इसके लिए ही संसद और विधानसभाओं में सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन की अपेक्षा की जाती है। सरकार और विपक्ष दोनों की मजबूती ही जनतंत्र को मजबूत बनाती है। दुर्भाग्य से आज जो स्थिति है वह इस संदर्भ में भरोसा दिलाने वाली नहीं है। भाजपा अपनी ताकत पर 375 सीटें जीतने का दावा कर रही है। इसके लिए वह जिस तरह की कोशिशों में लगी है, वह भी स्वस्थ जनतंत्र की दृष्टि से भरोसा नहीं दिलातीं। हर रोज इस आशय के समाचार मिल रहे हैं कि फलां पार्टी का फलां बड़ा नेता भाजपा में शामिल हो गया है। विपक्ष के नेताओं को अपने पाले में लाने के लिए भाजपा को आज इस बात की भी चिंता नहीं है कि उसका दामन थामने वाले की छवि कैसी है। कल तक जिसे वह घोर भ्रष्टाचारी बता रही थी, वही व्यक्ति उसके लिए स्वीकार्य बन रहा है। न भाजपा में शामिल होने वालों को इस बात की शर्म आ रही है कि कल तक वह भाजपा को कोस रहे थे और न ही भाजपा को इस बात की कोई चिंता है कि कल तक वह ऐसे नेताओं को गलत साबित करने में एड़ी-चोटी का पसीना बहा रही थी। स्पष्ट है हमारी राजनीति में आज नैतिकता जैसी किसी चीज के लिए कोई जगह नहीं है। मान लिया गया है कि राजनीति में सब कुछ जायज है- और दुर्भाग्य यह भी है कि ऐसा मानने वालों में सत्तारूढ़ भाजपा कहीं अधिक सक्रिय दिखाई दे रही है।

दुर्भाग्य से, आज विपक्ष कमज़ोर दिख रहा है। जनतंत्र की सफलता के लिए सत्तारूढ़ पक्ष और विपक्ष में एक संतुलन होना जरूरी है। आजादी प्राप्त करने के बाद के दो-एक शुरुआती चुनावों में हमारी संसद में विपक्ष काफी कमजोर था। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी कांग्रेस के सांसदों को आगाह किया था कि विपक्ष की भूमिका भी उन्हें ही निभानी होगी।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पश्चिमी देश मुक्त नहीं हुए नस्लवाद से

चेतनादित्य आलोक

दुनिया के तमाम विकसित देश विशेषकर अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, ब्रिटेन आदि इस बात का शोर मचाते नहीं थकते कि वे सभ्य देश हैं और दुनियाभर में यदि लोकतंत्र एवं मानवाधिकार सुरक्षित हैं तो केवल उनके ही कारण और वे ही हैं जो लोकतंत्र की गरिमा, शुचिता और इसका व्यावहारिक पक्ष सुरक्षित रखे हुए हैं। लेकिन हकीकत यह है? कि इन देशों में ही निर्दोष एवं मासूम विदेशी नागरिकों के साथ जिस प्रकार के व्यवहार किए जाते हैं, वे इन्हें असभ्य, नस्लवादी, रूढ़ एवं असहिष्णु समाजों की सूची में शामिल किए जाने के लिए पर्याप्त प्रतीत होते हैं। इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष जनवरी से मार्च तक ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई।

भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही, भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं और बाइडेन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी। यह स्थिति तब है, जबकि भारतीय विद्यार्थियों के संबंध में दुनियाभर में प्रचलित है कि ये बेहद शालीन, विनम्र और अपनी पढ़ाई-लिखाई से वास्ता रखने वाले होते हैं। ये कभी भी बेवजह सरकार विरोधी अथवा स्थानीय संस्कृति और सभ्यता के विरोध में किसी प्रकार के आंदोलन आदि में भाग नहीं लेते। वे मित्र देश का किसी भी प्रकार से विरोध, अपमान या अहित नहीं करते हैं। हालांकि, कारोबारी जगत की महत्वपूर्ण भूमिकाओं में भारतीय प्रोफेशनलों के प्रमुखता से उभरने के कारण दुनियाभर में भारतीय प्रोफेशनलों की मांग दिनोदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत से विदेश जाकर शिक्षा प्राप्त करने और वहीं बस जाने का क्रेज भी बढ़ा है।

वैसे देखा जाए तो पश्चिमी देशों का नस्लभेदी रवैया बहुत पुराना है और यह केवल भारतीय विद्यार्थियों तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि इन विकसित देशों ने तो अपने असभ्य, नस्लवादी, रूढ़िवादी एवं असहिष्णु आचरण का शिकार अनेक भारतीय कलाकारों, खिलाड़ियों एवं अन्य प्रोफेशनलों समेत कई बड़े और विख्यात लोगों को भी

इस संदर्भ में सबसे पहले चर्चा विदेश पढ़ाई करने जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों की, क्योंकि इस वर्ष जनवरी से मार्च तक ही केवल अमेरिका में लगभग एक दर्जन भारतीय विद्यार्थियों की हत्या कर दी गई अथवा संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गई। भारतीय विद्यार्थियों की हत्या के ये आंकड़े चौंकाते तो हैं ही, भयभीत भी करते हैं, क्योंकि ये आंकड़े अमेरिका में नस्लवाद के नए संस्करण के फैलाव के सबूत हैं और बाइडेन प्रशासन के भारत के प्रति उपेक्षात्मक एवं नकारात्मक रवैये का संकेत भी।

बनाया है। याद कीजिए, 1893 में दक्षिण अफ्रीका में रेल यात्रा करते समय एक रेलवे स्टेशन पर महात्मा गांधी के विरुद्ध अंग्रेज सहयात्री द्वारा किए गए क्रूर नस्लभेदी व्यवहार को जिससे प्रेरणा लेकर गांधी जी ने नस्लभेद तथा रंगभेद के खिलाफ संघर्ष शुरू किया था। हाल के वर्षों में भी योजनाबद्ध तरीके से सिलसिलेवार अंजाम दी गई अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन समेत कई पश्चिमी देशों में हिंदुओं के धर्मस्थलों पर पत्थरबाजी, मारपीट, लूटपाट एवं आगजनी की घटनाओं को भला कौन भुला सकता है, जिसकी दहशत आज भी वहां के भारतवंशियों के मन में विद्यमान है। इसी प्रकार लंदन में एक फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ कार सवार युवकों द्वारा भारतीय अभिनेता जॉन अब्राहम और अभिनेत्री बिपाशा बसु के रंग और भारत के बारे में घटिया टिप्पणियां करना, 2008 में ब्रिटेन के एक रियलिटी शो 'बिग ब्रदर' में कंटेस्टेंट जेड गुडी द्वारा बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी पर रंगभेदी टिप्पणी करना, अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को अमेरिका में पढ़ाई के दौरान सांवले रंग की वजह से 'ब्राउनी' कहकर चिढ़ाया जाना, नस्लभेद की वजह से प्रियंका को हॉलीवुड की एक फिल्म में कार्य करने से वंचित कर देना और रूस-यूक्रेन युद्ध के आरंभ में पूर्वी यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों का नस्लभेदी व्यवहारों का शिकार होना आदि पश्चिमी देशों के क्रूर नस्लभेदी व्यवहारों के कुछ प्रमुख उदाहरण हैं।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में हुए एक टेस्ट के दौरान दो खिलाड़ियों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को दर्शकों द्वारा 'ब्राउन डॉग' कहकर संबोधित किया जाना तथा पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर आकाश चोपड़ा पर इंग्लैंड में लीग क्रिकेट के दौरान रंग के आधार पर अपमानजनक टिप्पणियां करना भी इसके ज्वलंत उदाहरण हैं।

बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं से सेहत व कार्यक्षमता सुधारें

सुरेश सेठ

अब चौथे दशक के बाद बूढ़ों की संख्या में उसी तेजी से वृद्धि सामने नजर आएगी। तीसरी दुनिया के देशों, एशिया और प्रशांत देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 1.2 अरब हो जाएगी। यह कुल आबादी का लगभग एक-चौथाई होगी, दुनिया के इस हिस्से में और भारत में भी। एशियाई विकास बैंक ने एक रिपोर्ट एजिंग वैल इन एशिया पेश की है। उसमें कहा गया है कि देश में बूढ़ों की संख्या में तो वृद्धि हो रही है लेकिन उनकी सेहत, आय और कार्य सुरक्षा के बारे में नई दृष्टि नहीं बनी है।

दुनिया में आबादी के लिहाज से पहले नंबर का देश तो भारत बन ही गया। आज तक इसकी पहचान युवा भारत के रूप में होती रही है। अब चौथे दशक के बाद बूढ़ों की संख्या में उसी तेजी से वृद्धि सामने नजर आएगी। तीसरी दुनिया के देशों, एशिया और प्रशांत देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 2050 तक दोगुनी होकर 1.2 अरब हो जाएगी। यह कुल आबादी का लगभग एक-चौथाई होगी, दुनिया के इस हिस्से में और भारत में भी। एशियाई विकास बैंक ने एक रिपोर्ट एजिंग वैल इन एशिया पेश की है। उसमें कहा गया है कि देश में बूढ़ों की संख्या में तो वृद्धि हो रही है लेकिन उनकी सेहत, आय और कार्य सुरक्षा के बारे में नई दृष्टि नहीं बनी है।

यह सही है कि आज भी देश की आधी आबादी कार्ययोग्य युवा पीढ़ी की है और उसमें से अधिकांश लोग बेकार हैं। रघुराम राजन जैसे आर्थिक विशारद यह भी कहते हैं कि विकास दर में सबसे आगे विकसित भारत में वंचित-प्रवंचित और भूख से मरते लोगों की संख्या भी काफी होगी। अब इसमें जुड़ रही है निरंतर बूढ़े होते लोगों की समस्या जिनके लिये सामाजिक सुरक्षा नहीं है। एक ओर है दक्षिणी कोरिया और थाइलैंड, जहां सबको सेहत कवरेज मिल चुका है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि भारत में केवल 21 प्रतिशत लोगों के पास जीवन बीमा की सुविधा है। बुजुर्गों के स्वास्थ्य कवरेज की यह कमी इसलिए और भी विकट हो जाती है क्योंकि देश की बड़ी आबादी अनिश्चित कारोबार से जुड़ी है। एजिंग वैल इन एशिया की रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 50 फीसदी आबादी ऐसी है जो उचित सेहत सेवा से वंचित है। इनमें से 40 प्रतिशत निम्न वर्ग में से आते हैं। नई आयुष नीति की घोषणा करते वक्त कहा गया कि आयुर्वेद, एलोपैथी और यूनानी पद्धति के सम्मिलन से उपचार की क्रांति होगी। लेकिन देश की गरीब आबादी को इसका लाभ नहीं मिला।

आयुष्मान योजना की घोषणा तो पिछले वर्षों में हो गई थी। जिसमें गरीबों को 5 लाख रुपये तक की मुफ्त उपचार सुविधा देने का वादा था। अब भाजपा के संकल्प पत्र में 70 साल से ऊपर के लोगों को यह मुफ्त सुविधा देने का वादा कर दिया गया है। लेकिन कितने लोगों को यह सुविधा मिली है? इस सुविधा को देने का दायित्व जब निजी क्षेत्र के कंधों पर आया तो उन्होंने उचित भुगतान न मिलने के कारण इस फ्री सर्विस को सहयोग देने से इंकार किया। बेशक चिकित्सा पर्यटन की असीम संभावनाएं हमारे सेवा क्षेत्र में देश की कमाई के लिए निकलती हैं। दरअसल, दुनिया के अन्य देशों में मध्यवर्गीय लोगों को तत्काल उपचार सुविधा उपलब्ध नहीं होती।

हमारे देशों के पंचतारा अस्पतालों में बड़े-बड़े विशेषज्ञों द्वारा यह सेवा उपलब्ध है। सरकार भी मेडिकल पर्यटन पर बहुत जोर दे रही है। लेकिन इस मेडिकल पर्यटन की साख बनाए रखने के लिए भी देश के चिकित्सा विशारदों को अपने आप को न केवल नवीनतम ज्ञान से लैस करना होगा बल्कि उपचार की आधुनिक तकनीकों का प्रयोग भी करना होगा। देश में बुजुर्गों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों के वरिष्ठ नागरिकों पर सेवानिवृत्त करने की बजाय उन्हें काम करने का नया मौका दिया जाए। उनकी शारीरिक और कार्यात्मक क्षमता को सकल घरेलू उत्पाद में योगदान के लिये प्रेरित करना होगा। यदि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का उन्हें लाभ मिले तो उनकी अतिरिक्त सक्रियता से देश को लाभांश मिलेगा। इसका अर्थ यह हुआ कि देश के युवा बल ही नहीं बल्कि वरिष्ठ नागरिकों की मेधा और संभावित सक्रियता के उचित इस्तेमाल से भी देश अपने विकास पथ पर एक द्रुत लय से बढ़ सकता है। इस समय भारत उपचार और सेहत के लिहाज से एशिया और प्रशांत देशों में सबसे निचली कगार पर है।

इसलिए गरीब लोगों को नकदी रहित बीमा देने वाली योजनाएं बुजुर्गों का स्वास्थ्य कवरेज करेंगी तो बेहतर होगा। केवल घोषणाएं करने से ही काम नहीं चलेगा। घोषणाओं के रास्ते में लालफीताशाही अवरोध बनकर खड़ी हो जाती है। धनराशि के आवंटन की कमी भी इसके हाथ बांध देती है। निश्चित रूप से अगर नौजवानों की शक्ति के इस्तेमाल के साथ-साथ वृद्धजनों के बल को भी उचित उपयोग का मार्ग देना है तो न केवल पूरी दृष्टि बदलनी होगी बल्कि उसके अनुकूल वातावरण बनाना होगा। पिछले दिनों में यह प्रचार किया जा रहा था कि हमारे राजस्व में आशातीत वृद्धि हुई है। हमने जीएसटी के डेढ़ लाख करोड़ के लक्ष्य को पार करके उम्मीदों के अनुरूप प्राप्ति कर ली है। इस धनराशि में से अगर उचित आवंटन देश के समावेशी सेहत विकास के लिए कर दिया जाए तो कोई कारण नहीं कि देश की कार्ययोग्य श्रम शक्ति का संतुलित विकास न हो। अर्थात यह न हो कि यहां न तो नौजवानों को काम मिले और न ही बूढ़ों को बेहतर स्वास्थ्य तथा न ही देश की अर्थव्यवस्था में योगदान के अवसर मिलें।

मैग्नीशियम की कमी को दूर करेंगी ये चीजें

बेजान शरीर में भर जाएगी गजब की ताकत

बढ़ती उम्र में मांसपेशियों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए सिर्फ प्रोटीन, विटामिन, कैल्शियम और आयरन ही नहीं, बल्कि मैग्नीशियम भी बेहद जरूरी माना जाता है। इसकी कमी से न सिर्फ दिमाग की बत्ती बुझने लगती है बल्कि धीरे-धीरे शरीर भी खोखला हो जाता है। इसकी कमी से सेहत को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। अगर आप भी अक्सर, मांसपेशियों में ऐंठन, नस चढ़ना, भूख न लगना या नींद में कमी जैसी परेशानियों का सामना कर रहे हैं, तो ये आर्टिकल आप ही के लिए है। यहां हम आपको बताएंगे, कि शरीर में मैग्नीशियम की कमी दूर करने के लिए आप किन 5 चीजों का रोजाना सेवन कर सकते हैं।

केला

केला एक ऐसा फल है, जो साल भर आसानी से मिल जाता है। इसमें विटामिन सी और पोटेशियम के साथ-साथ मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके सेवन से न सिर्फ हड्डियां मजबूत होती हैं, बल्कि हार्ट भी हेल्दी रहता है। रोजाना एक केला खाने से सेहत को कई फायदे मिल सकते हैं। केले खाने से बॉडी में एनर्जी का एहसास होने लगता है। केले में तीन नेचुरल शुगर सूक्रोस, फ्रूक्टोस और ग्लूकोस मौजूद होते हैं जो कि शरीर को फैट फ्री, कोलेस्ट्रॉल फ्री एनर्जी देते हैं। केला में भरपूर मात्रा में आयरन पाया जाता है। रोज केला खाने से खून की कमी की समस्या में धीरे-धीरे सुधार आने लगता है। केला रोग प्रातिरोधक क्षमता बढ़ाने में बेहद मददगार होता है।

बादाम

बड़े-बुजुर्ग लंबे समय से बादाम खाने की सलाह देते आ रहे हैं। आपको बता दें कि ये भी मैग्नीशियम के बढ़िया सोर्स में से एक है। गर्मियों में इसका सेवन करने के लिए आप रात में इसे पानी में भिगोकर रख दें और सुबह खाली पेट खा लें। इससे इसकी गर्मी भी कम हो जाती है, और सेहत को मिलने वाले फायदे भी दोगुने हो जाते हैं। बादाम में मौजूद फोलेट, ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे तत्व दिमागी क्षमता बढ़ाने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसका सेवन करने से मेमोरी पॉवर बढ़ती है और बच्चों का भी दिमाग तेज होता है। बादाम में मौजूद विटामिन ई की मात्रा बालों के लिए बहुत फायदेमंद होती है। बादाम का सेवन स्किन के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है।

टोफू

यह सोयाबीन से तैयार किया जाता है और प्रोटीन के साथ-साथ मैग्नीशियम से भी रिच होता है। आप इसे कच्चा खाएं या फिर सब्जी के रूप में, यह

आपके ऊपर निर्भर करता है। इसे ग्रिल करके कई टेस्टी डिशेज तैयार की जा सकती हैं। ऐसे में ब्रेन हेल्थ को मजबूत करने की बात हो या हड्डियों को दुरुस्त रखने की, टोफू का सेवन कई मामलों में फायदेमंद है।

कद्दू के बीज

कद्दू के बीज भी मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं। इनका सेवन करके भी आप शरीर में इस जरूरी पोषक तत्व की कमी दूर कर सकते हैं। इन्हें सलाद से लेकर सुबह के नाश्ते में अलग-अलग तरीकों से आप इनका सेवन कर सकते हैं। पोषक तत्वों से भरपूर कद्दू के बीज वजन घटाने में मदद करते हैं। इन बीजों में फाइबर की मात्रा अधिक होती है, जो पाचन के लिए फायदेमंद होता है। कद्दू के बीज रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी कम करते हैं, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है। अगर आप अच्छी नींद लेना चाहते हैं, तो सोने से पहले कद्दू के बीजों का सेवन फायदेमंद हो सकता है।

हंसना मना है

रिश्तेदार - बेटा आगे जिंदगी में क्या करोगे... लड़का - कुछ भी करुंगा लेकिन किसी के घर जाकर उनके बच्चों से ऐसे सवाल नहीं करुंगा....!

पिता (अपनी बेटी से) - बेटी, पहले तुम मुझे पापा बुलाती थी, अब डैड क्यों कहने लगी हो... बेटी - वो पापा बोलने से मेरी लिपस्टिक खराब हो जाती है ना...!!!

क्लास में मास्टर जी ने बच्चों से पूछा- बताओ, कांटों भरे रास्ते पर आपका साथ कौन देगा, पति, पत्नी, भाई, बहन, मां-बाप, प्रेमी, प्रेमिका या दोस्त.. पप्पू खड़े होकर बोला - सर चप्पल...! फिर मास्टर जी ने भी चप्पल से की पप्पू की पिटाई...

पति-मुझे अजीब सी बीमारी हुई है, मेरी बीवी जब बोलती है तो मुझे सुनाई नहीं देता.. हकीम-माशाल्लाह ये बीमारी नहीं, ये तुम पर खुदा की रहमत हुई है..

एक महिला एक साधु के पास गई और बोली-महाराज! आपने प्रवचन में कहा था, अहंकार ही सबसे बड़ा पाप है। पर जब मैं आईना देखती हूं, तो सोचती हूं मैं कितनी सुंदर हूं तो मुझे बहुत अहंकार हो जाता है, मैं क्या करूं? साधु ने कहा- बेटी यह अहंकार नहीं, गलतफहमी है और गलतफहमी कोई पाप नहीं।

कहानी | एकलव्य की कथा

एक जंगल में एकलव्य नाम का एक बालक अपने माता-पिता के साथ रहता था। एकलव्य की धनुर्विद्या में बहुत रुचि थी, लेकिन जंगल में इसके लिए साधन उपलब्ध नहीं थे। इसलिए, वह गुरु द्रोणाचार्य से धनुर्विद्या सीखना चाहता था। गुरु द्रोणाचार्य उन दिनों पांडव और कौरवों को धनुर्विद्या सिखा रहे थे और उन्होंने भीष्म पितामह को वचन दिया था कि वह राजकुमारों के अलावा किसी को भी धनुर्विद्या का ज्ञान नहीं देंगे। जब एकलव्य अपना निवेदन लेकर गुरु द्रोणाचार्य के पास आया, तो उन्होंने उसे अपनी विवशता बताकर वापस भेज दिया। इस पर एकलव्य बहुत दुखी हुआ, लेकिन उसने यह प्रण लिया कि वह द्रोणाचार्य को ही अपना गुरु बनाएगा। उसने उनकी मिट्टी की मूर्ति बनाई और उसके सामने तीर कमान चलाने का अभ्यास करने लगा। देखते ही देखते वह एक उम्दा धनुर्धारी बन गया। एक दिन जब गुरु द्रोणाचार्य अपने शिष्यों के साथ धनुर्विद्या का अभ्यास करने जंगल की ओर आए। उनके साथ एक कुत्ता भी था। उस समय एकलव्य भी जंगल में धनुर्विद्या का अभ्यास कर रहा था। ऐसे में जब कुत्ते को जंगल के एक ओर से आवाज आई, तो वह उस ओर जाकर भौकनें लगा, इस वजह से कुत्ते को चुप करवाने के लिए एकलव्य ने उसके मुंह में कुछ इस प्रकार बाण चलाए कि उसका भौंकना भी बंद हो गया और उसे कोई चोट भी आई। जब द्रोणाचार्य ने कुत्ते को देखा को उन्हें अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हुआ और उन्होंने सोचा कि इतना अच्छा धनुर्धारी कौन है, जिसे धनुष बाण की ऐसी विद्या आती है। जब उन्होंने जाकर देखा, तो एकलव्य खड़ा था। अपने गुरु को देखकर एकलव्य ने उन्हें प्रणाम किया। द्रोणाचार्य ने उससे पूछा कि उसने यह विद्या किससे सीखी, तो एकलव्य ने बताया कि वह किस प्रकार उनकी मूर्ति के सामने प्रतिदिन अभ्यास करता है। यह सुनकर द्रोणाचार्य आश्चर्यचकित हुए। दरअसल, गुरु द्रोणाचार्य ने अर्जुन को वचन दिया था कि उससे बेहतर धनुर्धारी कोई नहीं होगा, लेकिन एकलव्य की विद्या उनके इस वचन में बाधा बन रही थी। ऐसे में उन्होंने कहा, मुझे गुरु दक्षिणा तो अभी तक नहीं दी है। आपको दक्षिणा में क्या चाहिए। द्रोणाचार्य ने कहा कि मुझे तुम्हारे दाहिने हाथ का अंगूठा चाहिए। एकलव्य ने तुरंत अपनी कृपाण निकाली और अपना अंगूठा काट कर गुरु द्रोणाचार्य के चरणों में रख दिया। इस घटना की वजह से एकलव्य का नाम एक आदर्श शिष्य के रूप में आज भी याद किया जाता है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। समय की अनुकूलता का लाभ लें। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

वृषभ रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। कारोबारी वृद्धि की योजना बनेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। समय की अनुकूलता रहेगी।

मिथुन कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। बाहर जाने की योजना बनेगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

कर्क उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान मिलेगा। मित्रों की सहायता करने का मौका मिलेगा।

सिंह उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। आत्मसम्मान बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। नए मित्र बनेंगे। कोई बड़ा कार्य करने की इच्छा जागृत होगी।

कन्या नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

तुला व्यापार ठीक चलेगा। यात्रा में विशेष सावधानी रखें। किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। किसी मनोरंजक कार्यक्रम का हिस्सा बन सकते हैं।

वृश्चिक यात्रा मनोरंजक रहेगी। सामाजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। व्यापार ठीक चलेगा। परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

धनु योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक बीतेगा। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। मनोरंजन के साधन प्राप्त होंगे। तीर्थदर्शन की योजना बनेगी। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कुम्भ हल्की हंसी-मजाक न करें। विवाद हो सकता है। किसी व्यक्ति की नाराजी से मन खराब होगा। मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मीन किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। मित्रों का सहयोग व साथ मिलेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

अब विदेश में अपना जलवा बिखेरेंगी तब्बू

टीवी सीरीज ड्यून प्रोफेसी में एक अहम किरदार में दिखेंगी

फ़िल्म के बाद तब्बू एक बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं। देश में अपनी अदाकारी का जादू चलाने वाली अभिनेत्री अब विदेश में अपने अभिनय का जलवा जल्द बिखेरती नजर आने वाली हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अभिनेत्री टीवी सीरीज ड्यून प्रोफेसी में एक अहम किरदार में दिखेंगी। इस सीरीज में वे अपने किरदार को दोहराती नजर आएंगी।

यह टीवी सीरीज मूल रूप से 2019 में ड्यून-द सिस्टरहुड शीर्षक के तहत शुरू की गई थी। यह ब्रायन हर्बर्ट और केविन जे एंडरसन के उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। यह सीरीज लोगों को कब तक देखने को मिलेगी इस बात की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। सीरीज में तब्बू सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका में दोबारा नजर आएंगी। इस टीवी सीरीज में वे शक्तिशाली, बुद्धिमान और आकर्षक महिला के किरदार में दिखेंगी।

कई पुरस्कार कर चुकी हैं अपने नाम

तब्बू भारतीय सिनेमा सबसे प्रतिभाशाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। वे दो बार सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीत चुकी है। चीनी कम, हैदर, और अंधाधुन जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं से उन्होंने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। वे सात फिल्मफेयर पुरस्कार भी अपने नाम कर चुकी हैं। तब्बू लाइफ ऑफ पाई, द नेमसेक और ए सूटेबल बॉय जैसी विदेशी प्रोजेक्ट का हिस्सा रह चुकी हैं।

सीरीज में दिखेंगे ये कलाकार

तब्बू के अलावा ड्यून-प्रोफेसी में एमिली वॉटसन, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, मार्क स्ट्रॉन्ग, सारा-सोफी बौस्त्रीना, जोश ह्यूस्टन, क्लो ली, जेड अनौका, फोओलीन कनिंघम, एडवर्ड डेविस, एओइफ हिंड्स, क्रिस मेसन, और शालोम ब्रूने-फ्रैंकलिन भी नजर आएंगे।

नाना पाटेकर के डर से थर-थर कांपते थे उत्कर्ष

ग़दर 2 में सनी देओल के बेटे का किरदार निभा चुके अभिनेता उत्कर्ष शर्मा एक बार फिर पापा अनिल शर्मा की फिल्म में नजर आने वाले हैं, जिसका नाम है जर्नी। इस फिल्म की चर्चा बीते साल से हो रही है, जिसमें अभिनेता नाना पाटेकर नजर आने वाले हैं। फिल्म जर्नी की कहानी पिता पुत्र के रिश्तों पर होगी।

ऐसे में उत्कर्ष शर्मा नाना पाटेकर के बेटे की भूमिका निभाते नजर आएंगे। अभिनेता ने नाना के साथ काम करने को लेकर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया है। अनुभवी कलाकारों के साथ काम करने से पहले अक्सर नए कलाकारों के मन में थोड़ी हिचकिचाहट या डर होता है। अगर सामने नाना पाटेकर जैसे गंभीर छवि वाले और अनुभवी अभिनेता हो तो यह डर और ज्यादा बढ़ जाता है। फिल्म जर्नी की शूटिंग में नाना के साथ शूट करने से पहले अभिनेता उत्कर्ष शर्मा के मन में भी ऐसा ही डर था।

हालांकि, बाद में नाना ने उन्हें यूं सहज महसूस करवाया कि सारा डर गायब हो गया। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में फिल्म गदर 2 के अभिनेता उत्कर्ष बताते हैं, अपनी उम्र को देखते हुए नाना सर इतने ज्यादा अनुशासन में रहते हैं कि उनके आगे नए लड़के पानी मांगने लगे।

अपने हाथों से खाना बनाते थे- उत्कर्ष शर्मा

काम के प्रति उनमें जो समर्पण है वह देखकर मुझे प्रेरणा मिलती है कि जब मैं उस उम्र में रहूं तो मुझ में भी उतना ही समर्पण और जुझारूपन होना चाहिए। वह बहुत बढ़िया इंसान हैं। हमारे पूरे क्रू के लिए वह अपने हाथों से खाना बनाते थे। हमने फिल्मों में उनके ऐसे रोल देखे हैं कि शुरुआत में उनके साथ काम करने को लेकर मन में थोड़ा डर था। हालांकि, उनके साथ काम करने पर पता चला वह सादगीपूर्ण इंसान हैं। वह कैमरे के सामने बिल्कुल ऐसा व्यवहार कर रहे थे, जैसे स्क्रिप्ट में उनकी भूमिका लिखी गई है। इससे बतौर कलाकार मेरा काम थोड़ा आसान हो गया। उत्कर्ष शर्मा ने हिंदी सिनेमा में फिल्म जीनीयस से बॉलीवुड में कदम रखा था। इस फिल्म में उत्कर्ष के अपोजिट इशिता चौहान नजर आई थी। इससे पहले वह गदर पार्ट 1 में बाल कलाकार के रूप में भी नजर आए थे।

बॉलीवुड **मन की बात**

अनिल मुझसे सफल है, लेकिन मैं उससे ज्यादा संतुष्ट हूं: संजय कपूर

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर अनिल कपूर और निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर के भाई संजय कपूर ने साल 1995 में फिल्म 'प्रेम' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके अपोजिट नई-नवेली एक्ट्रेस तब्बू नजर आई थीं और संजय कपूर की पहली ही फिल्म बॉक्स-ऑफिस पर ढेर हो गई थी। दशकों लंबे करियर के दौरान संजय कपूर महज चंद ही ऐसी फिल्मों में नजर आए हैं जो बॉक्स-ऑफिस पर सफल रही हैं। बॉलीवुड के दिग्गज परिवार से ताल्लुक रखने और 'राजा' और 'सिर्फ तुम' जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहने के बावजूद संजय कपूर दर्शकों पर कुछ खास छाप नहीं छोड़ पाए। संजय कपूर ने भाई अनिल कपूर और बोनी कपूर संग तुलना पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। भाई अनिल कपूर संग तुलना पर एक्टर कहते हैं कि लोग तुलना करते रहते हैं, लेकिन इसका उनके रिश्ते पर कोई असर नहीं पड़ा है। इंटरव्यू के दौरान 'सिर्फ तुम' एक्टर ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं कह रहा कि हमारे बीच कोई कॉम्पीटिशन नहीं है'। वह आगे कहते हैं, 'मुझे लगता है कि भले ही अनिल मुझसे अधिक सफल हैं, फिर भी मुझे हमेशा लगता है कि चाहे जो भी कारण हो, मैं उनसे अधिक खुश और संतुष्ट हूं। मैं हमेशा कहता हूं कि भगवान दयालु हैं। भले ही मैंने उनसे कम शोहरत हासिल की हो, लेकिन मुझे लगता है कि मैं अधिक खुश हूं। मैं हमेशा बेहतर मूड में रहता हूं। मैं यह नहीं कह रहा कि वह दुखी है या कुछ और, लेकिन मैं नहीं जानता कि इसे कैसे व्यक्त करूं, लेकिन मुझे लगता है कि मैं उससे ज्यादा संतुष्ट हूं'। दोनों भाइयों संग अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए एक्टर संजय कपूर कहते हैं, 'हम सब एक साथ एक ही घर में रहते थे. जब हमने शुरुआत की थी तो हम दो बेडरूम वाले हॉल में रहते थे. हमारा परिवार बहुत बड़ा था। फिर जब आपके अपने बच्चे हो जाते हैं, तो कई बार में अनिल और बोनी ने महीनों तक नहीं मिल पाता था, लेकिन हम सब एक-दूसरे से प्यार करते हैं और एक-दूसरे का सम्मान करते हैं। हम सब इतने समझदार हैं कि ये समझ सकें कि ये सब फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा है'।

गया के मशहूर मानपुर पटवा टोली में बनाया जाता है बड़े पैमाने पर पीतांबरी

गया। सनातन धर्म में पीतांबरी वस्त्र का बहुत महत्व है। ये एक ऐसा वस्त्र है जो जीवन के साथ बनता है लेकिन उपयोग जीवन के बाद होता है। एक ऐसा वस्त्र है जिसे जो व्यक्ति बुनता है, वह जीवित रहते इसे पहनता नहीं और जो पहनता है, वह खुद देखता नहीं। बिहार का पवित्र स्थल गयाजी में ये बनता है। बिहार के मिनी मेनचेस्टर के नाम से मशहूर मानपुर के पटवा टोली और शिवचरण लेन में बड़े पैमाने पर पीतांबरी बनाया जाता है। गयाजी पूरी दुनिया में न केवल पितरों की मोक्ष स्थली है, बल्कि यहां कई ऐसे उद्योग भी हैं जो राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पहचान दिलाते हैं। पटवा टोली बिहार में पीतांबरी बनाने वाला एक मात्र स्थान है। यहां की पीतांबरी बिहार के साथ-साथ झारखंड, पश्चिम बंगाल के लोगों की जीवन की अंतिम यात्रा में साथ निभाता आ रहा है। पटवा टोली में सिर्फ 2-3 लोग ही बचे हैं जो हैंडलूम से पीतांबरी बनाने के काम से जुड़े हुए हैं। बाकी यहां अब पावरलूम से ही ये वस्त्र बनाते हैं। कुछ वर्ष पहले तक यहां 30-40 लोग हैंडलूम से पीतांबरी बनाने का काम करते थे। अधिक मेहनत और कम मुनाफे के कारण इससे लोग दूर होते जा रहे हैं। यहां तांती समाज के कुछ लोग हैं जो पीतांबरी बनाने के काम को संभाले हुए हैं। एक पीतांबरी बनाने में इन्हें दो दिन का समय लगता है और तीन रुपए लागत आती है। 6 रुपये थोक भाव में इसकी बिक्री होती है। बुनकरों को 3 रुपए की बचत होती है। यहां पावरलूम से भी पीतांबरी तैयार होता है लेकिन उसकी क्वालिटी हैंडलूम के तुलना में कम रहती है। यहां तैयार पीतांबरी बिहार समेत, झारखंड, बंगाल, ओडिशा तक भेजी जाती है। पीतांबरी के कारोबार से जुड़े बुनकर सत्येन्द्र कुमार पान बताते हैं हैंडलूम से इक्का दुक्का लोग ही पीतांबरी बनाते हैं। सरकार का ध्यान हैंडलूम पर नहीं है। हमें लोन भी नहीं मिलता। इसलिए इस व्यवसाय को हम नहीं बढ़ा पा रहे हैं। इस व्यवसाय से रोज 300-400 रुपये की आय होती है। गया के इस मोहल्ले में हैंडलूम के अलावा दो सौ से अधिक पावर लूम मशीन पर दशकों से केवल पीतांबरी बनाने का काम हो रहा है। इन मशीनों पर प्रतिमाह औसतन डेढ़ लाख पीस पीतांबरी बनाए जा रहे हैं। ये सूती, पॉलिएस्टर और खधड़िया क्वालिटी के होते हैं। इसकी कीमत थोक बाजार में पांच से 50 रुपये प्रति पीस है। पटवा टोली में 12 हजार पावर लूम पर रोज 10 हजार से अधिक कामगार काम कर रहे हैं। इनके अलावा रंगरेज, धागा छटाइकर्मी, कपड़ा पॉलिशकर्मी सहित अलग-अलग कैटेगरी से जुड़े करीब 10 हजार से अधिक कामगार भी इस उद्योग से जुड़े हैं। इस कारोबार से करीब 25 हजार से अधिक परिवार जुड़े हैं जिनका भरण-पोषण हो रहा है।

अजब-गजब **यहां का तानाशाह मानता है खुद को आजाद देश का शासक**

इस देश में कुत्तों को भी दी जाती है मनुष्यों के बराबर नागरिकता

दुनिया में ऐसी तमाम चीज़ें हैं, जिनके बारे में हमें पता ही नहीं है। हालांकि जब इनकी जानकारी हमें होती है, तो हम आश्चर्यचकित रह जाते हैं। ऐसे ही अजूबे हैं दुनिया के वे छोटे-छोटे देश, जो गांव और मोहल्लों की आज ऐसे ही एक देश के बारे में आपको बताएंगे, जो एक माइक्रोनेशन यानि छोटा सा देश है। यहां सिर्फ 34 नागरिक ही रहते हैं। दिलचस्प बात तो ये है कि इन नागरिकों में से 4 कुत्ते भी शामिल हैं। इस देश का नाम रिपब्लिक ऑफ मोलोसिया है। देश की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक इसमें रहने वाले 34 नागरिकों की लिस्ट में 30 इंसान और 4 कुत्ते भी मौजूद हैं। इतना ही नहीं जेंडर लिस्ट में भी बाकायदा 40 फीसदी महिलाओं और 50 फीसदी पुरुषों के साथ 10 फीसदी कुत्तों को भी जगह दी गई है।

इस देश की अपनी अलग करेंसी भी है, जिसका नाम वेलोरा है। अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए यहां Bank of Molossia नाम का बैंक भी है और अपने चिप वाले सिक्के और प्रिंटेड नोट भी।

ये देश अमेरिका में नेवादा के पास है और इसका तानाशाह केविन बॉघ नाम का शख्स है। कुल 11 एकड़ के इस देश में सीमा 2.28 एकड़ की बनी हुई है। यहां का तानाशाह केविन बॉघ खुद को आज़ाद देश का शासक मानता है। वो हमेशा मिलिट्री की वर्दी में रहता है, जिस पर की मेडल लटकते रहते हैं। ये देश अपनी किसी और खासियत के बजाय इसलिए मशहूर है क्योंकि वो डॉग्स को नागरिकता देता है। शायद ही दुनिया में कहीं और कुत्तों को नागरिकता का अधिकार हासिल होगा।

सेवा और श्रद्धा से कोई काम नहीं हो रहा : प्रियंका

» बोलीं- वर्तमान में एक नई तरह राजनीति चल रही

» राजीव गांधी ने दी अमेठी को पहचान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमेठी। कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा के समर्थन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कई सभाएं की। उन्होंने कहा कि पिछले पांच-दस सालों से यहां एक नई राजनीति आई। उसमें सेवा का नाम नहीं था, श्रद्धा का नाम नहीं था। आपकी जो सांसद है, वो यहां सिर्फ एक मकसद से आई। क्या मकसद था उनका, कौन बताएगा। राहुल जी को हराना। उनका एक ही मकसद था कि यहां आकर राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी और राहुल गांधी को हराएंगी। यही मकसद था। इस मकसद के लिए उन्होंने तमाम झूठ फैलाए।

उन्होंने कहा कि उस जमाने में जब पिता राजीव गांधी प्रधानमंत्री थे, तब पूरा देश देखता था अमेठी की ओर, कहते थे कि देखो, कितना विकास हुआ है वहां। बल्कि तब आलोचना यह होती थी कि राजीव गांधी सारे विकास की जितनी भी निधि है, अपने ही संसदीय क्षेत्र में डाल रहे हैं। ये आलोचना होती थी, लेकिन ये आलोचना नहीं हुई कि यहां विकास नहीं हो रहा है। तो ये सब आपकी परंपरा रही है। हमने आपके लिए वो समूह की परियोजना शुरू की थी महिलाओं के लिए, बहुत महिलाएं उसमें थी। उन्होंने कहा कि वे आपसे जमीन लूट रहे हैं। पूरे देश में फैला दिया कि हमने जमीन लूटने के लिए ये परियोजना बनाई। तो अब जितनी भी महिलाओं को लाभ हो रहा था उन परियोजना के होने से, बंद हो गया। परियोजना ही बंद करनी पड़ी, तमाम केस डाल दिए उन पर। उनका मकसद हमेशा से नकारात्मक रहा है, कोई सकारात्मक मकसद नहीं रहा। मकसद पूरा हो गया, पिछले चुनाव में भईया हार गए, तो फिर विकास, काम इन सबका नामो निशान नहीं। सिर्फ जब टीवी वाले आते हैं, मीडिया वाले आते हैं, तब आती हैं सामने और फिर भी झूठ फैलाती हैं। उसके बाद कोई दिखाई नहीं देता। तो आपके लिए कोई योजना नहीं लाई हैं। तो यही होता है, जब गलत तरह की राजनीति आती है, जो सच्चाई पर आधारित नहीं होती है।

जनता के संघर्ष बढ़ा रही भाजपा सरकार

प्रियंका गांधी ने कहा कि भाजपा आम जनता का संघर्ष बढ़ा रही है। आज यहां आई तो 20 साल पहले का चुनाव याद आ गया। 1999 का चुनाव याद आ गया। मेरी मां जब चुनाव लड़ी तो उनके भी मन में वही भाव था जो मेरे पिताजी के मन में था कि अमेठी की सेवा करनी है। जब मैं बचपन में आती थी तो यहां की जमीन सफेद दिखती थी। मैं अपने पिता से पूछती थी कि जमीन सफेद क्यों दिख रही है तो वो कहते थे कि इसमें नमक है। यह ऊसर है यह उपजाऊ नहीं है लेकिन आज मैं यहां देखती हूं तो पता चलता है कि सारी जमीन उपजाऊ हो चुकी है।

धर्म के नाम पर वोट लेने की कोशिश

उन्होंने कहा कि आज देश में जो राजनीति है, कमाल की राजनीति है। आज भाजपा का जो नेता है, चाहे वो प्रधानमंत्री हो, चाहे आपके यहां के सांसद हों, ये सब सोचते हैं कि जनता के प्रति कोई जवाबदेही नहीं है। क्योंकि इन्होंने धर्म के आधार पर आकर आपसे वोट ले लेना है। उन्होंने प्रधानमंत्री पर गलत बयानबाजी का आरोप लगाया। कहा कि प्रधानमंत्री को कम से कम जनता को इतना बताना चाहिए कि दस सालों में किया क्या है। फिजूल की बातें कर रहे हैं। मंगलसूत्र को लेकर भी उन्होंने प्रधानमंत्री को घेरा।

जब जरूरत होगी मैं खड़ा हूंगा : राहुल

राहुल गांधी अमेठी संसदीय सीट को छोड़कर इस बार रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। इन दोनों क्षेत्रों के साथ उनके परिवार का रिश्ता कितना पुराना और भावनाओं से भरा है इसे दिखाने के लिए उन्होंने एक वीडियो जारी किया है। सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर जारी इस वीडियो में राहुल, अपनी मां और रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से लगातार 20 सालों तक सांसद रही सोनिया गांधी के साथ एक फोटो एल्बम देख रहे हैं। राहुल गांधी कहते हैं कि इन दोनों क्षेत्रों का साथ उनका रिश्ता जज्बातों का है। यह कोई आज का रिश्ता नहीं है। यह पीढ़ियों का रिश्ता है। अपने वीडियो में राहुल 100 साल पुराने इस रिश्ते को ताजा करते हैं। इस वीडियो में वह एक फोटो एल्बम देख रहे हैं। इन तस्वीरों में रायबरेली और अमेठी के लोगों के साथ उनके परिवार के लोगों की तस्वीरें हैं। राहुल गांधी ने कहा कि अमेठी और रायबरेली के लोगों के साथ उनका रिश्ता दिल का है। उनकी हर समस्या में वह उनके साथ खड़े दिखेंगे। रायबरेली और अमेठी हमारे लिए सिर्फ चुनाव क्षेत्र नहीं, हमारी कर्मभूमि है, जिसका कोना कोना पीढ़ियों की यादें संजोए हुए है।मां के साथ पुरानी तस्वीरें देखकर पापा और दादी की याद भी आ गयी, जिनकी शुरू की गयी सेवा की परंपरा मैंने और मां ने आगे बढ़ाई।

मप्र में कांग्रेस को मिलेगी बंपर जीत: कमलनाथ

» बोले- बीजेपी सरकार ने नहीं पूरी की गारंटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव का मतदान खत्म हो गया है। प्रदेश में चार चरणों में चुनाव संपन्न हो चुके है। प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला अब चार जून को होगा। पूर्व सीएम कमलनाथ ने चुनावों को लेकर अपना मत शेयर किया है। कमलनाथ ने अपने एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से कांग्रेस की जीत का दावा किया है। कमलनाथ ने एक्स पर लिखा है कि चौथे चरण की मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के साथ ही मध्यप्रदेश की सभी लोकसभा सीटों के लिए मतदान प्रक्रिया पूरी हो गई है।

जनता का उत्साह और कार्यकर्ताओं की मेहनत देखकर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि मध्यप्रदेश के मतदाताओं ने कांग्रेस पार्टी के घोषणा पत्र को अपना आशीर्वाद दिया है। कमलनाथ ने आगे लिखा है कि मध्यप्रदेश की जनता बुद्धिमान है और उसने देखा कि किस तरह इंदौर और खजुराहो में भाजपा के इशारे पर विपक्ष के प्रत्याशियों को चुनावी मैदान से बाहर कर दिया गया। मुझे विश्वास है कि लोकतंत्र पर हुए इस हमले का मुंहतोड़ जवाब प्रदेश की जनता ने दिया है। मध्यप्रदेश के नागरिकों को घोषणा तथा झूठ में फर्क करना बखूबी आता है। जनता यह भी जानती है कि कौन से लोग चुनाव के समय गारंटियां देते हैं और चुनाव के बाद उनसे मुकर जाते हैं।

ज्यादा वोटिंग से बीजेपी को मिला पैगाम

» मुफ्ती बोलीं- हमारी जमीन नौकरियों को लेकर जितने भी फैसले हुए कबूल नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष और अनंतनाग-राजौरी लोकसभा सीट से उम्मीदवार महबूबा मुफ्ती ने कहा कि मतदान बहुत अच्छा हुआ। लोग दिल्ली वालों को पैगाम देना चाहते हैं कि 2019 में आप ने जो फैसला किया। उसके बाद हमारी ज़मीन, नौकरियों को लेकर जितने भी फैसले किए वो जम्मू-कश्मीर के लोगों को कबूल नहीं हैं। पीडीपी नेता ने आरोप लगाया कि मैं चुनाव आयोग से पूछना चाहता हूं कि उन जगहों पर मतदान धीमा कर दिया गया जहां लोग जाहिर तौर पर पीडीपी को वोट देने के लिए बड़ी संख्या में एकत्र हुए थे।

श्रीनगर में रिकॉर्ड मतदान पर उन्होंने कहा कि जिस तरह के हालात श्रीनगर, पुलवामा में हैं, वैसे ही हालात अनंतनाग, कुलगाम में भी हैं। वे अपनी आवाज संसद तक पहुंचाना चाहते हैं। श्रीनगर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में सोमवार को 36 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो 1998 के बाद से सबसे अधिक है जब जम्मू-कश्मीर में उग्रवाद अपने चरम पर था, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावी होने के बाद घाटी में पहली बड़ी चुनावी कवायद हुई थी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी पांडुरंग के पोल ने कहा लगभग पिछले तीन दशकों में सबसे अधिक मतदान प्रतिशत रहा। उन्होंने कहा कि कुल मिलाकर मतदान शांतिपूर्ण रहा। लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में मतदाताओं में भारी उत्साह देखने को मिला। अनुच्छेद 370 हटने और जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा समाप्त होने के लगभग पांच साल बाद हो रहे लोकसभा चुनाव में कश्मीर में जम्हूरियत का चटख रंग दिखा। इस वजह से लोगों ने निडर होकर वोट किया और सर्वाधिक मतदान का 28 वर्ष का रिकॉर्ड बना दिया।

एक देश-एक चुनाव जम्मू-कश्मीर में क्यों नहीं किए : फारूक अब्दुल्ला

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए उनकी पार्टी तैयार है। साथ ही उन्होंने फिर दोहराया कि मोदी सरकार एक देश-एक चुनाव की बात कर रही है तो इसे जम्मू कश्मीर से लागू क्यों नहीं किया गया। उन्होंने कहा, हम लोग हर वक्त तैयार थे। ये एक देश-एक चुनाव की बात कर रहे हैं। हमने गुजारिश की थी कि शुरूआत जम्मू-कश्मीर से कीजिए। इन्होंने नहीं किया। हम आज भी तैयार हैं, कल भी तैयार हैं, हर वक्त तैयार हैं।

पोरेल-ट्रिस्टन स्टब्स ने बिगाड़ा एलएसजी का खेल

» दिल्ली कैपिटल्स ने 19 रनों से दी लखनऊ को मात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2024 मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 19 रनों से हरा दिया। इस दौरान अभिषेक पोरेल (58) और ट्रिस्टन स्टब्स (57*) ने अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं इशांत शर्मा ने महज 34 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। हालांकि, इस जीत के बावजूद दिल्ली के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें धुंधली नजर आ रही हैं।

दिल्ली ने चार विकेट पर 208 रन बनाने के बाद एलएसजी की पारी को नौ विकेट पर 189 रन पर रोक दिया। दिल्ली के लिए मैन ऑफ द मैच इशांत शर्मा ने तीन जबकि कुलदीप यादव, खलील अहमद, ट्रिस्टन स्टब्स और मुकेश कुमार ने एक-एक विकेट लिये। एलएसजी के लिए निकोल्स पूरन ने 27 गेंद में छह चौके और चार छक्के की मदद से 61 रन बनाये। अरशद खान ने आखिरी ओवर में 33 गेंद में नाबाद 58 रन की पारी खेली। लक्ष्य का बचाव करते हुए इंपैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे इशांत शर्मा ने अपने शुरुआत तीन ओवरों में कसान लोकेश राहुल (तीन गेंद में पांच रन), क्विंटन डिकॉक (आठ गेंद में 12रन) और दीपक हुड्डा (शून्य) को आउट कर दिल्ली को शानदार शुरुआत दिलायी।

प्लेऑफ से बाहर हुई सुपरजायंट्स की टीम

वहीं दिल्ली की 14 मैचों में यह सातवीं जीत है। टीम 14 अंक के साथ तालिका मेंमाइनस 0.377 के नेट रन रेट के साथ पांचवें वें स्थान पर है। तालिका में तीसरे और चौथे स्थान की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (0.528) और सनराइजर्स हैदराबाद (0.406) की टीम काफी बेहतर स्थिति में है। एलएसजी की 13 मैचों में यह सातवीं हार है। टीम 12 अंक के साथ तालिका में सातवें स्थान पर है। एलएसजी को अपना आखिरी मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलना है। टीम का नेट रन रेट काफी खराब (माइनस 0.787) है ऐसे में मुंबई में जीत के बाद भी उसके लिए प्लेऑफ में पहुंचना लगभग नामुमकिन होगा।

स्वाति मालीवाल को लेकर दिल्ली में गरमाई सियासत

इंसाफ की मांग पर सदन में हंगामा भाजपा लाई निंदा प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सांसद व आप नेत्री स्वाति मालीवाल के साथ हुई अभद्रता पर दिल्ली की सियासत गरमा गई है। राज्यसभा सदस्य को इंसाफ देने की मांग करते हुए एमसीडी के सदन में भाजपा पार्षदों ने हंगामा किया। ऐसे में मेयर ने सिर्फ दो मिनट में सदन की कार्यवाही को स्थगित कर दी। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष मालीवाल से हुई अभद्रता के मामले में भाजपा ने सदन में निंदा प्रस्ताव पेश किया। नेता विपक्ष राजा इकबाल सिंह ने मालीवाल से अभद्रता को शर्मनाक बताया।

इससे पहले मेयर डॉ. शैली ओबरॉय 11 बजे बुलाई गई बैठक में पहुंचीं। सीट पर आने पर उन्होंने केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद दिया। भाजपा पार्षदों ने इसका जोरदार विरोध किया और मालीवाल को इंसाफ दो, दलित मेयर को कुर्सी पर बैठाओ, केजरीवाल इस्तीफा जैसे नारे लिखीं तख्तियां लेकर नारे लगाए। इस पर मेयर ने सदन की कार्यवाही को स्थगित कर किया। निगम की मई की इस साधारण सभा में कुल 15 प्रस्ताव लाए गए थे जिसे राजन बाबू फेफड़े एवं क्षय रोग अस्पताल परिसर में मेडिकल कॉलेज भवन निर्माण, शिक्षा विभाग में दैनिक भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति, निगम अस्पतालों में आहार सामग्री खरीद की दर सुनिश्चित करने, उद्यान विभाग में मालियों की नियुक्ति से जुड़े कई और भी महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा होनी थी। यदि चर्चा होती तो शायद इनमें से कुछ प्रस्ताव पास भी हो सकते थे, लेकिन सदन की एक और बैठक बेनतीजा रही।

केजरीवाल के खिलाफ दायर याचिका राजनीति से प्रेरित : सुप्रीम कोर्ट

शीर्ष कोर्ट ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दायर एक जनहित याचिका को राजनीति प्रेरित करार देते हुए खारिज कर दिया। साथ ही, कहा कि अदालत को राजनीति का अखाड़ा न बनाया जाए। याचिका में कहा गया था कि अपने निहित स्वार्थ के लिए केजरीवाल अपने भाषणों के दौरान पृष्ठभूमि में बीआर आंबेडकर, भगत सिंह जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के नाम और राष्ट्रीय प्रतीकों का दुरुपयोग कर रहे हैं। याचिकाकर्ता का कहना था कि इस दुरुपयोग को रोकने के लिए केंद्र को उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने मंगलवार को इस याचिका पर विचार करने से इन्कार दिया और सवाल उठाया कि कोर्ट को राजनीतिक अखाड़ा क्यों बनाया जा रहा है।

मालीवाल के साथ बदसलूकी करने वाले को मिलेगी सजा : संजय सिंह

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास में आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से बदसलूकी मामले में आप ने चुप्पी तोड़ी है। आप नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि कल बहुत ही निंदनीय घटना घटी। कल सुबह सीएम अरविंद केजरीवाल से मिलने आप की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल पहुंची थीं। ड्राइंग रूम में स्वाति मालीवाल अरविंद केजरीवाल का इंतजार कर रही थीं। इस बीच आवास के स्टाफ में से विभव कुमार पहुंचे और स्वाति मालीवाल के साथ अभद्रता और बदतमीजी की। संजय सिंह ने कहा कि इस पूरी घटना का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लिया है। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जाएगी। स्वाति मालीवाल ने देश और समाज के हित में कई काम किए हैं। पार्टी की सीनियर और पुरानी लीडर्स में से एक हैं। हम सब उनके साथ हैं।

ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का निधन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की मां माधवी राजे सिंधिया का बुधवार (15 मई) की सुबह दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में निधन हो गया। सुबह 9.28 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ दिन से वेंटिलेटर पर थीं। उनका पिछले तीन महीने से एम्स में इलाज किया जा रहा था. वह निमोनिया के साथ-साथ सेप्सिस से भी पीड़ित थीं। माधवी राजे के निधन पर प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन धार्मिक न्यास और धर्मस्व मंत्री धर्मेंद्र लोधी ने ट्वीट कर दु:ख व्यक्त किया है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पूजनीय माताजी माधवी राजे सिंधिया के निधन का द:खद समाचार मिला। परमात्मा से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवार को यह दु:ख सहने की शक्ति दें? शांति शांति!!।

प्रदेश में आज लू की चेतावनी

कानपुर में पारा पहुंचा 43 डिग्री के पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीते कुछ दिनों से गर्मी से मिली राह अब फिर खत्म होन जा रही है। मौसम विभाग ने कहा है कि बुधवार को प्रदेश में तेज अंधड़ व लू चलने के आसार हैं। सामान्य से नीचे चल रहे अधिकतम तापमान ने फिर रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है। सोमवार को ही ज्यादातर इलाकों में 40 से नीचे चल रहा दिन का पारा, मंगलवार को चढ़ा हुआ दर्ज हुआ। जहां यह 40-41 डिग्री चल रहा था, वहां भी पारे में बढोतरी दर्ज की गई है।

साथ ही मौसम विभाग ने 16 और 17 को लू चलने की चेतावनी जारी की है। अगले पांच दिनों में दिन के पारे में 4 से 6 डिग्री तक और रात के पारे में 2-3 डिग्री तक वृद्धि के आसार हैं। कानपुर में पारा 43 डिग्री रहा, जबकि सोमवार को यह 40.8 डिग्री सेल्सियस था। लखनऊ का तापमान 40.2 डिग्री रहा। सोमवार को लखनऊ का पारा 38.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। इसी तरह पूरे यूपी के तापमान में दो डिग्री तक की बढ़ोतरी रही।

गंदगी के अंबार से स्वच्छता की खुली कलई

शिकायत के बाद भी नहीं सुनते अधिकारी-कर्मचारी

जोन-8 के रजनी खंड के लोग परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वच्छता अभियान से पूरे शहर को साफ करने का दावा करने वाले नगर निगम का कई जगहों पर फैली गंदगी पोल खोल रही है। ये अव्यवस्था तब है जब नगर निगम सफाई करवाने के लिए नये-नये प्रयोग करता रहता है। दरअसल, जोन आठ में रजनी खंड में छह महीने कूड़ा और गंदगी से छुटकारा नहीं मिल रहा है। शिकायत के बाद भी नगर निगम जोन 8 के कर्मचारी और अधिकारी कोई काम नहीं कर रहे है।

यहां रजनी खंड में करीब 2000 से ज्यादा स्कवायर फीट में कूड़ा पड़ा हुआ है। इसको लेकर कई बार शिकायत दर्ज कराई गई। रजनी खंड निवासी मुकेश बताते हैं कि पिछले दिनों शिकायत के बाद कुछ लोग आए थे लेकिन वह महज खानापूर्ति कर चले जाते है। फोटो खींच लिया जाता है कि काम हो गया। उसके बाद अधिकारियों को भेज दिया जाता है। हालांकि कोई काम नहीं हो पाया।

छह महीने से यह स्थिति बनी है

यहां रहने वाले शुभम ने बताया कि छह महीने यहां ऐसे ही गंदगी पसरी हुई है। केवल कागजों पर काम दिखाया जाता है। स्थिति यह है कि नालियों का पानी कई बार सड़क पर आ जाता है। यहां महज 50 मीटर की दूरी पर एक निजी स्कूल है। इस गंदगी के कारण बच्चों और स्थानीय लोगों में बीमारी फैलने का खतरा बना है। यहां तीन दिन पहले नगर निगम की टीम सफाई के लिए आई थी।

हादसों का बुधवार : गई कई की जान

आंध्र प्रदेश में बस में आग लगने से छह लोगों की मौत

गुजरात में नर्मदा में एक ही परिवार के 7 लोग डूबे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले के चिलकलुरिपेट के पास एक लॉरी की चपेट में आने के बाद एक निजी बस में आग लगने से छह लोगों की जलकर मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। वहीं एक अन्य दर्दनाक हादसे की खबर गुजरात से आ रही है।

वहां नर्मदा नदी में नहाने गए एक ही परिवार के 7 लोग डूब गए। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि आंध्र में हादसा मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात को हुआ। घटना की जानकारी मिलते ही हमने एम्बुलेंस और दमकल विभाग को सूचित कर दिया।

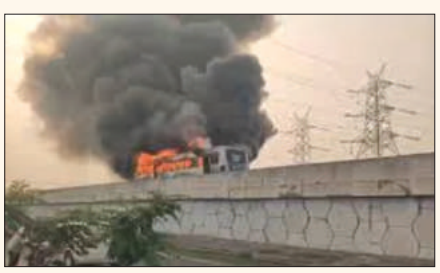

मुंबई हादसे में मरने वालों की संख्या 16 तक पहुंची

घाटकोपर इलाके में हुए दुखद हादसे के दो दिन बाद बुधवार को मुंबई में होर्डिंग ढहने वाली जगह पर मलबे से दो और शव बरामद किए गए। इससे घटना में मरने वालों की कुल संख्या 16 हो गई।

खदान में फंसे आठ लोग बाहर निकाले गए

जयपुर। नीम का थाना जिले में मंगलवार रात हिंदुस्तान कॉपर की कोलिहान खदान में लिफ्ट की रस्सी टूटने से 1800 फीट की गहराई में 14 लोग फंस गए। कल से चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन में अब तक आठ लोगों को बाहर निकाल लिया गया है। जिनमें से तीन लोगों को गंभीर हालत में जयपुर रेफर कर दिया गया है। बाकी अन्य छह लोगों को भी बाहर निकालने के प्रयास किए जा रहे हैं। अंदर फंसे सभी लोग सुरक्षित हैं। दरअसल, नीम का थाना जिले में मंगलवार रात हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की कोलिहान खदान में लिफ्ट की रस्सी टूटने से बड़ा हादसा हो गया था।

बलिया में डंपर ट्रक की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

बलिया कोतवाली थाना क्षेत्र में एक डंपर ट्रक की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बलिया कोतवाली के प्रभारी संजय सिंह ने बुधवार को बताया कि शहर कोतवाली क्षेत्र के जलालपुर मोहल्ले में मंगलवार देर रात लगभग डेढ़ बजे एक पेट्रोल पंप के पास खड़े ट्रक में दूसरे डंपर ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में तीन लोगों मोहित कुमार (24), जितेंद्र यादव (25) और गुड्डू यादव (26) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तीनों मृतक बिहार राज्य के बक्सर जिले के रहने वाले थे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।